बुधवार

07 मई 2025

● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 96
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ऑपरेशन सिंदूर: गर्व के पल: मोदी

❑आतंकी ठिकानों को कर दिया नेस्तनाबूद

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय सेना की संयुक्त कार्रवाई में पीओके और पाकिस्तान की सरजमीं पर मिसाइलों की बरसात से पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। जैश और लश्कर के दर्जन भर ठिकानों पर कितने जान-माल का नुकसान हुआ है अभी इसका पूरा ब्यौरा नहीं आया है लेकिन मसूद अजहर के 14 परिजनों की इन हमलों में मौत के साथ सैकड़ो की संख्या में आर्तकियों के मारे जाने की खबरें आ रही है तथा मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। हमले से बौखलाये पाकिस्तान ने जम्मू घाटी पर भारी बमबारी की है जिसमें सात नागरिकों की मौत की खबर है। पीएम के निर्देश पर रक्षा मंत्री हालात का जायजा लेने बॉर्डर पर रवाना हो गए हैं।

उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कैबिनेट की बैठक बुलाकर इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गर्व का पल है उन्होंने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए उनकी तारीफ की तथा उन्हें बधाई भी थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ कहा कि पाकिस्तान की किसी भी प्रतिक्रिया का करारा जवाब दिया जाएगा, इसके लिए पूरा देश तैयार है। उन्होंने कहा कि यह अंत नहीं है। प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बॉर्डर पर जाकर हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रधानमंत्री राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन भी गए।

●भारत के जवाब से बौखलाया पाकिस्तान
●सीमा पर गोलाबारी, 7 नागरिकों की मौत
●राजनाथ सिंह जायजा लेने बॉर्डर पर रवाना

पाकिस्तान की किसी भी प्रतिक्रिया का जवाब देने की तैयारी भारत कर चुका है। पाक सीमा क्षेत्र के सभी 16 एयरवेज को फिलहाल भारत ने बंद कर दिया है। इसमें श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर आदि तमाम हवाई अड्डे शामिल है। पहलगाम में आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने एक बड़ी तैयारी के साथ पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह जवाब दिया गया है। यह पहली मर्तबा है जब भारत ने अपनी ही सरजमी से पीओके से आगे पाकिस्तान की सीमा में 100 किलोमीटर अंदर तक सटीक ठिकाने चुनकर उन्हें तबाह कर दिया है। पाकिस्तान को भारत द्वारा इतनी बड़ी कार्रवाई की उम्मीद नहीं थी। इस हमले में मसूद और हाफिज सईद के ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। मसूद के 14 परिजनों के मरने की खबर है। पाकिस्तान में इस दौरान आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। पाकिस्तान का अगला कदम क्या होगा भारत की अगली कार्रवाई अब इसी पर निर्भर करेगी। भारतीय सेना इस समय अलर्ट मोड पर है तथा यह तय माना जा रहा है कि भारत हर प्रतिक्रिया का मुंह तोड़ जवाब देगा उसे विश्व राष्ट्रों का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। भारत की इस कार्रवाई से देश भर में जशन का माहौल है तथा पूरा देश मोदी सरकार के समर्थन में एकजुट है।

दून वैली मेल

संपादकीय

दूरदर्शिता पूर्ण जवाब

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15वें दिन बाद भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान पर जवाबी कार्यवाही करते हुए अलग-अलग नौ स्थानों पर मिसाइलों से हमला कर आतंकियों के उन ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया है जहां से उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी। भारतीय सेना ने इस हमले में किसी भी सुरक्षा प्रतिष्ठान और सिविल एरिया को टारगेट नहीं किया गया है उनके निशाने पर सिर्फ और सिर्फ आतंकी कैंप ही रहे हैं। बीती देर रात भारत द्वारा की गई इस कार्यवाही से आतंकी कैंपों और आतंकियों को कितना नुकसान पहुंचा है इसकी कोई पुष्ट जानकारी नहीं मिली है लेकिन नुकसान बड़ा हुआ है ऐसा माना जा रहा है। यह हमला कोई अप्रत्याशित हमला नहीं है इसकी घोषणा भारत ने तभी कर दी थी जब पहलगाम में नरसंहार किया गया था। भारत तभी से हमले की तैयारियों में जुटा था। इस बात को पाकिस्तानी हुकूमत व सेना के साथ आतंकी संगठन भी जानते थे। यह बात अलग है कि उन्हें इतने बड़े हमले का शायद अंदाजा न हो। भारत अब पाकिस्तान की तरफ से की जाने वाली किसी भी तरह की कार्यवाही का जवाब देने के लिए भी तैयार है। इसे लेकर भी पाकिस्तान को कोई मुगालता नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान को अब यह बात अच्छी तरह से समझ लेनी चाहिए कि विभाजन के बाद से लेकर अब तक वह जिस आतंकवाद को एक बड़े हथियार के तौर पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल करता रहा है उसकी बड़ी कीमत अब पाक और आतंकी संगठनों को चुकानी ही पड़ेगी। पुलवामा में आतंकी हमले के जवाब में की गई भारत की एयर स्ट्राइक और अब पहलगाम की आतंकी हमले की घटना का जवाब जिस तरह से भारत द्वारा दिया गया है वह यह बताने के लिए काफी है कि आतंकवाद के सहारे उसके द्वारा भारत के खिलाफ जो छद्म युद्ध लड़ा जाता रहा है उसका जवाब अब भारत उसके घर में घुसकर मारने से ही देगा। देश के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ जितने भी युद्ध लड़े है हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी है। 1971 के युद्ध से लेकर कारगिल में घुसपैठ के बाद लड़े गए युद्ध तक वह भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सका है। हमेशा उसने शर्मनाक हार और बड़ा नुकसान ही झेला है। पाकिस्तान भारत का मुकाबला करने की क्षमता नहीं रखता है इस सच को पूरा पाकिस्तान जनता समझता है। यही कारण है कि आतंकवाद की आड़ लेकर वह भारत के विरुद्ध छद्म युद्ध लड़ता रहा है लेकिन अब इसे भारत कतई भी बर्दाश्त नहीं करेगा इसका खुल्लम खुल्ला ऐलान भारत कर चुका है चाहे इसके लिए उसे किसी भी हद तक जाना पड़े। भारत पाक से कुछ भी छिनना नहीं चाहता है न किसी युद्ध के पीछे उसकी साम्राज्यवादी सोच रही है। अगर ऐसा रहा होता तो आज का बांग्लादेश और पीओके तथा बलुचिस्तान भारत का हिस्सा बन चुका होता। विश्व के तमाम देश इस सच को जानते हैं कि पाकिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल आतंकवादियों की शरण स्थली के तौर पर किया जाता है तथा इस आतंकवाद का दंश भारत अकेले नहीं बल्कि अमेरिका सहित विश्व के तमाम मुल्क भुगत रहे हैं। पाकिस्तान अगर यह मांने बैठा है कि भारत जो आतंकवाद के खिलाफ यह लड़ाई लड़ रहा है उसके खिलाफ कोई विश्व राष्ट्र उसके साथ खड़ा होगा तो यह उसका मुगालता ही होगा। पाकिस्तान को बचाने के लिए कोई भी देश नहीं आएगा। अब पाक को ही यह तय करना है कि वह अपनी आतंक परस्ती के साथ ही अपना अस्तित्व बनाए रखना चाहता है या फिर आतंकवाद का रास्ता छोड़कर सद्भाव के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहता है। पाक के हुक्मरानों को अगर यह समझ नहीं आ रहा है तो उसे अपने देश में इस सवाल पर जनमत संग्रह करा लेना चाहिए उसकी मुश्किल आसान हो जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर दी बधाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना को प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान सीमापार बैठे भारत विरोधी ताकतों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा नीति मजबूत हुई है और सेना का मनोबल ऊंचा हुआ है। उन्होने कहा कि उत्तराखंड सैनिक बाहुल्य प्रदेश है यहां के लोग सेना पर गर्व करते हैं और हर समय देशहित में खड़े रहते हैं। उन्होने कहा कि आधी रात को हुए इस ऑपरेशन सिंदूर ने एक बार फिर भारत की सैन्य शक्ति का लोहा मनवाने के साथ ही देश वासियों का मनोबल ऊंचा किया है।

त्रिजुगीनारायण में शादी के लिए दुनिया भर से आ रहे हैं जोड़े

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, उत्तराखंड में देश विदेश के लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। सरकार उत्तराखंड में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहायता दे रही है। देवभूमि उत्तराखंड आपका स्वागत करने के लिए तैयार है।

रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित, शिव-पार्वती का विवाहस्थल त्रिजुगीनारायण वैश्विक वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा है। जहां देश विदेश से लोग सनातन परम्पराओं के अनुसार विवाह करने के लिए पहुंच रहे हैं। शादियों के सीजन में अब यहां हर महीने 100 से अधिक शादियां हो रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई मौकों पर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड की ब्रांडिंग कर चुके हैं। इसका असर, त्रिजुगीनारायण मंदिर में साफ तौर पर नजर आ रहा है। जहां लोग देश विदेश से डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहुंच रहे हैं। इससे यहां होटल कारोबारियों से

❑शादियों के सीजन में रहती है एडवांस बुकिंग
❑इस साल अब तक 500 से अधिक शादियां हुई

लेकर पंडे पुजारियों, वेडिंग प्लानर, मांगल टीमों और ढोल दमौ वादकों सहित कई अन्य लोगों को काम मिल रहा है।

क्षेत्र की वेडिंग प्लानर रंजना रावत के मुताबिक, 07 से 09 मई के बीच सिंगापुर में कार्यरत भारतीय मूल की डॉक्टर प्राची, यहां शादी करने के लिए पहुंच रही है। इसके लिए उन्होने जीएमवीएन टीआरएच बुक किया हुआ है। उन्होंने बताया कि इस साल अप्रैल माह तक ही यहां करीब पांच सौ शादियां हो चुकी हैं, जबकि 2024 में कुल छह सौ शादियां ही हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक यहां इसरो के एक वैज्ञानिक, अभिनेत्री चित्रा शुक्ला, कविता कौशिक, निकिता शर्मा, गायक हंसराज रघुवंशी, यूट्यूबर आदर्श सुयाल, गढ़वाली लोकगायक सौरभ मैठाणी के साथ ही कई, जानी मानी हस्तियां सात फेरे ले चुके हैं। मंदिर के पुजारी सच्चिदानंद पंचपुरी ने बताया कि यहां सनातन मतावलंबियों का विवाह वैदिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न होता है, इसके लिए पहले से रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। साथ ही माता-पिता या अभिभावकों की मौजूदगी में ही विवाह समपन्न होता है। उन्होने बताया कि सात फेरों के लिए मंदिर परिसर में ही वेदी बनाई गई है, इसके बाद अखंड ज्योति के साथ पग फेरा लिया जाता है। इसके अलावा अन्य सभी आयोजन, नजदीकी होटल और रिजॉर्ट में सम्पन्न किए जाते हैं।

सेवादल के संस्थापक हार्डिकर के 136वें जन्मदिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सेवादल संस्थापक डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्डिकर के 136वें जन्मदिवस पर उनको पुष्पांजलि अर्पित की गयी।

आज कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सेवादल संस्थापक डॉक्टर नारायण सुब्बाराव हार्डिकर के 136 में जन्मदिवस जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सेवा दल प्रभारी विष्णु दत्त शर्मा ने प्रदेश सेवादल कार्यकारिणी की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रदेश सेवा दल प्रभारी विष्णु शर्मा, श्रीमती हेमा पुरोहित प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल

उत्तराखंड द्वारा की गई इस अवसर पर बैठक में मनमोहन शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष सेवादल, गोपाल सिंह गढ़िया, प्रदेश महासचिव संगठन, अशोक मल्होत्रा प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस सेवा दल, लालचंद शर्मा पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष, दीप वोहरा, श्रीमती सावित्री थापा महानगर महिला अध्यक्ष, जसविंदर सिंह, सुनीता धारिया, जिला अध्यक्ष, मंजू चौहान, शीला श्रीवास्तव, मीना देवी,, उपस्थित रहे।

मजार तोडकर जमीन कब्जाने का उक्रांद ने किया विरोध

संवाददाता

देहरादून। मजारें तोडकर वहां की जमीनों पर कब्जा करने का उत्तराखण्ड क्रांति दल ने विरोध करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

आज उत्तराखंड क्रांति दल महानगर अध्यक्ष विजेंद्र रावत के नेतृत्व में जिला अधिकारी देहरादून को एक ज्ञापन दिया। जिसमें वर्तमान में अवैध मजारों को तोड़ा जा रहा है लेकिन मजार तोड़कर रातों-रात बेश कीमती जमीन पर कब्जा करने का अभियान साथ-साथ चलने लगा है। केंद्रीय महामंत्री किरन रावत कश्यप एडवोकेट ने कहा कि इसका एक जीता जागता उदाहरण कैनाल रोड पर बनी सैकड़ो वर्ष पुरानी मजार को तोड़ दी और यहां तक कि आरक्षित प्रजाति पीपल के पेड़ को भी काट दिया गया है। मजार और पीपल की जड़ को रातों-रात मिट्टी से दबा दिया गया है ऐसा प्रतीत होता है कि यह लोग सरकार से जुड़े हैं जिनको शासन प्रशासन समाज का कोई डर नहीं है। अब मजार के

ऊपर अपनी दुकान बनाकर बैठ गए हैं यह कैसा मजार तोड़ो अभियान है की मजार की जमीनों को कब्जा कर करोड़ों की जमीन हथिया रहे हैं यह तो एक मामला है जो संज्ञान में आया है न जाने कितने अनेकों मामले हैं जिसमें मंदिर और मजारों को तोड़कर लोग कब्जा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल मांग करता है कि इस प्रकार की घटना को रोकने के लिए ऐसे कृत्य करने वाले अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाना अति आवश्यक है यदि इनके एक सप्ताह के अंदर कार्यवाही नहीं की जाती तो ऐसा माना जाएगा की इन लोगों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है इसके खिलाफ उत्तराखंड क्रांति दल प्रदेश के सभी समाज को साथ लेकर जबरदस्त उग्र आंदोलन करेगा। ज्ञापन में वरिष्ठ नेता लताफत हुसैन, केंद्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय, केंद्रीय महामंत्री देवचंद उत्तराखंडी, आर के शंकधर, हाजी सैयद अहमद , पान सिंह रावत, आशुतोष नेगी, अशोक नेगी, कौशल सिंह, महिपाल सिंह बिष्ट, कुंदन सिंह बिष्ट, संजय सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यंग्य: पोक वाली डिजिटल थपकी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

एक जमाना था जब लोग मिलते एक-दूसरे को राम राम, नमस्ते करके अभिवादन करते थे। फिर फोन आया , मोबाइल आया, तो कॉल करके हालचाल पूछ लेने का रिवाज बना । व्हाट्सएप आया, तो हाय और गुड मॉर्निंग की फूलों वाली तस्वीरें चलने लगीं। लेकिन जब फेसबुक ने %पोक' और पोक बैक के बटन बना दिया, तो हम संवेदन शील लोगों को हल्का झटका लगा।

-पोक। के मैसेज मिलते ही चुभन सी होती है। जैसे कोई आपके कंधे पर उंगली से टोक रहा हो- ओ भई, मैं भी हूं यहाँ! और जब आप पोक बैक कर दें, तो यह संवाद का चरमोत्कर्ष माना जाता है। कोई शब्द नहीं, कोई भावना नहीं-बस डिजिटल उंगली की संवेदना हीन चुभन।

भारत में पोक को लेकर बहुत भ्रम की स्थिति है। हमारे यहाँ उंगली उठाने की परंपरा बहुत संवेदनशील मानी जाती है। किसी ठीक ठाक चलते काम में उंगली करना अच्छा नहीं माना जाता । कोई किसी को असल में उंगली से पोक कर दे, तो बात थाने तक पहुंच सकती है। लेकिन फेसबुक पर यही काम प्यारा इशारा बन जाता है।

अब गाँव के चाचा ने जब फेसबुक चलाना सीखा और गलती से किसी बुआ जी को पोक कर दिया, तो पूरा खानदान चिंता में पड़ गया। चाची ने चाचा को पकड़कर पूछा, पोक का मतलब क्या होता है? चाचा बेचारे बोले, मुझे लगा घंटी जैसी कोई चीज़ है। बजा दी।

पढ़े लिखे युवाओं और शहरों में पोक का इस्तेमाल कुछ अलग ही लेवल पर होता है। कुछ लोग इसे इंविटेशन टू कन्वर्सेशन मानते हैं, तो कुछ लोग डिजिटल फ्लर्टिंग का माध्यम। लेकिन अगर गलती से किसी ने अपने बॉस को पोक कर दिया, तो समझ लीजिए, अगली मीटिंग में आपको पोक-पोक करके ही निकाला जाएगा। लोक भाषा में पोक शब्द का अर्थ लीक करने वाला होता है, जब इंक पैन उपयोग होते थे और उनकी स्याही लीक हो जाती थी तो जेब का धब्बा छिपाते हुए पेन के पोक देने पर गुस्सा आता था। कोई गोपनीय वार्ता कहीं लीक हो जाती थी तो उस शख्स को ढूंढा जाता था जिसने जानकारी पोक दी होती थी।

भारत में पोक और पोक बैक एक ऐसी परंपरा बन गई है, जिसे लोग करते तो हैं, लेकिन समझते कम ही हैं । यह एक ऐसा संवाद है, जिसमें संवाद नहीं होता। एक ऐसा स्पर्श है, जिसमें छूने की अनुमति नहीं। और एक ऐसा मज़ाक है, जिस पर कोई खुलकर हँसकर नहीं पाता।

जरूरी है कि फेसबुक के इस पोक-बोक के खेल को भारतीय संदर्भ में थोड़ा सुधारा जाए। नाम बदलकर हल्की सी टोक, डिजिटल धक्का, या फिर कंधे पर प्यार की थप्पी, खटखटाओ, रख दिया जाए। ताकि भारतीय उपयोगकर्ता इसे दिल से समझें और हँसते-हँसते स्वीकार करें, वरना अगली बार जब दादी जी को कोई पोक करेगा, तो वो पूछेंगी, बेटा ये कौन सा रोग है? डॉक्टर को दिखाऊँ क्या?

क्या आप कभी पोक हुए हैं , आज के डिजिटल जीवन में?

यथार्थ को पलटने की कोशिश

आर्थिकी के नियमों के खिलाफ जाते हुए डॉनल्ड ट्रंप ने भूमंडलीकरण के दौर में बने यथार्थ को पलटने की कोशिश की। मगर इस क्रम में उन्होंने अमेरिका की कमजोरी को जग-जाहिर कर दिया है। इससे अमेरिकी रुतबे पर स्थायी प्रहार हुआ है।

चीन के खिलाफ टैरिफ वॉर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कदम लडखड़ाते दिख रहे हैं। पिछले दो दिन में इस बारे में खुद उन्होंने और उनके वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अपनी कमजोरी जाहिर करने वाले बयान दिए हैँ। खबरों के मुताबिक पूंजीपतियों के साथ एक बैठक में बेसेंट ने कहा कि अमेरिका चीन पर लगाए गए टैरिफ को ज्यादा दिन लागू रखने की स्थिति में नहीं है।

इसके बाद ट्रंप ने कहा कि 145 प्रतिशत बहुत ऊंची दर है, जिसे नीचे लाया जाएगा। मगर एक दिन बाद उन्होंने कहा कि ऐसा कोई फैसला अभी हुआ नहीं है। इस बीच एक अमेरिकी अखबार ने खबर दी कि टैरिफ को घटा कर 50 से 65 प्रतिशत के बीच लाया जाएगा। इन चर्चाओं से अमेरिका का शेयर बाजार संभला है।

निवेशकों में धारणा बनी है कि आखिरकार ट्रंप प्रशासन बाजार की असलियत को समझने लगा है। बताया जाता है कि ट्रंप के रुख में बदलाव वॉलमार्ट, अमेजन और उपभोक्ता सामग्री स्टोर्स की मालिक कुछ अन्य कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात के बाद आया। इन अधिकारियों ने आगाह किया कि दो-तीन हफ्तों में जरूरी चीजों की किल्लत हो जाएगी, जिससे महंगाई में तेज बढ़ोतरी होगी। इन स्टोर्स की ज्यादातर सामग्रियां चीन से आती हैं। उसके बाद ऊंचे स्तर पर जो प्रतिक्रियाएं दिखीं, उसका संकेत यही है कि ट्रंप प्रशासन अब समाधान ढूंढ रहा है।

इस क्रम में ऐसे बयान दिए गए हैं कि चीन से वार्ता होने वाली है। जबकि चीन की ओर से ऐसे कोई संकेत नहीं हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अगर अमेरिका बातचीत से हल चाहता है, तो उसे पहले धमकी और जोर-जबरदस्ती की भाषा छोड़ कर बराबरी और दोतरफा सम्मान की भावना से आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम जाहिर करता है कि अर्थशास्त्र के बुनियादी नियमों के खिलाफ जाकर कोई आर्थिक मकसद हासिल नहीं हो सकता।

ट्रंप ने ऐसा कर भूमंडलीकरण के दौर में बने आर्थिक यथार्थ को पलटने की कोशिश की। मगर इस क्रम में उन्होंने अमेरिका की कमजोरी को जग-जाहिर कर दिया है। इससे अमेरिकी रुतबे पर स्थायी प्रहार हुआ है।(आरएनएस)

गर्मी के मौसम में रहें बीमारियों से सावधान

चिलचिलाती गर्मियां आपके लिए जहां रसीले फल लेकर आती है तो वहीं यह मौसम अनेक तरह की बीमारियों का संदेश भी देती है। इन बीमारियों से बचकर रहना ही उचित होता है। लापरवाही आपको खासा नुक्सान भी पहुंचा सकती है। अतः ऐसी बीमारियों की पहचान और उनके बचने के उपाय यहां दिए जा रहे हैं -

आइये सबसे पहले हम यह जानते हैं कि गर्मी के मौसम में कौन सी बीमारी सबसे ज्यादा खतरा पैदा करती है। सबसे पहले गर्मी में लू लगना आम बात होती है। चिलचिलाती गर्मी में बिना सावधानी बरते बाहर निकल जाना लू का कारण होता है। इसके अतिरिक्त पानी की कमी या डिहाइड्रेशन, बुखार आना या पेट संबंधी बीमारियां जैसी अनेक समस्याएं होने की आशंका हमेशा बनी रहती है। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहने की सलाह दी जाती है।

पीलियाः गर्मियों में पीलिया होने का खतरा भी होता है। यह रोग गंदे और दूति पानी या खाने की वजह से होता है। पीलिया में रोगी की आंखे व नाखून पीले पड़ जाते हैं। पेशाब का रंग भी पीला होता है। इस रोग से बचने के लिए अपने खाने-पीने का ध यान रखें। बाहर के खान-पान से बचें, इन्फेक्शन से दूर रहें और रोग हो जाने पर पानी को उबाल कर ही पीएं, इसके साथ ही हल्का खाना और तेल व मिर्च मसाले से दूर रहना उचित होता है।

टायफाइडः गर्मी के मौसम में टायफाइड भी एक आम बीमारी की तरह उभर कर सामने आती है। इस बीमारी में लगातार बुखार रहना, भूख कम लगना, उल्टी होना और खांसी-जुकाम का बने रहना प्रमुख लक्षण होते हैं। इससे बचने के लिए दूषित पानी व खाने की चीजों से बचना चाहिए। कुछ भी खाने पीने से पहले हाथों को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। तरल पदार्थो का अधिक सेवन करें लेकिन साफ-सफाई का भी ध्यान रखें।

लू या हीट स्ट्रोकः गर्मियों में अक्सर सुनने में आता है कि फलां शख्स को लू लग गई। लू लगने को हीट स्ट्रोक भी कहा जाता है जो कि कई बार तो जानलेवा भी साबित होती है। यह तेज धूप की वजह से होती है। इस बीमारी में उल्टी के साथ चक्कर आना, रक्तचाप का कम हो जाना, बुखार आना प्रमुख लक्षण हैं। इससे बचने के लिए धूप में जितना हो सके कम निकलना चाहिए। अगर धूप में जाना पड़े तो सिर को ढंक कर ही बाहर निकलें। जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा पानी पियें। लस्सी, छाछ या आम का पना समेत प्याज का सेवन व अन्य तरह के उपाय किए जा सकते हैं।

चिकनपॉक्सः यूं तो चिकनपॉक्स वायरस के संक्रमण से होता है, लेकिन यह भी ज्यादातर गर्मियों में ही उभरता है। इस बीमारी में बुखार आना, एलर्जी, निमोनिया और मस्तिक में सूजन जैसी अनेक समस्याएं होती हैं। इस बीमारी में बुखार आता है और शरीर पर दाने उभर आते हैं। गर्मियों में चिकनपॉक्स बड़ी तेजी के साथ फैलती है।

डिहाइड्रेशन और फूड प्वाइजनिंगः शरीर में पानी की कमी को डिहाइड्रेशन कहा जाता है। गर्मियों में इससे बचने की सबसे ज्यादा जरुरत होती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि गर्मियों में जितना हो सके ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों जैसे जूस, लस्सी, छाछ, आमपन्ना या नारियल पानी का सेवन करना चाहिए। इसके लक्ष्ण भी बुखार जैसे होते हैं और यह फूड प्वाइजनिंग गंदे खाने या गंदे पानी से होती है। इससे बुखार, उल्टी, दस्त, चक्कर आना और शरीर में दर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए साफ-सफाई का विशेा ध्यान गर्मियों में रखा जाना चाहिए।

खसरा या मीजल्सः यह एक प्रकार से श्वांस के द्वारा होने वाला रोग है जो कि गर्मियों में काफी तेजी से फैलता है। इस रोग में शरीर पर छोटे-छोटे लाल रंग के दाने होते हैं और इसके साथ ही बुखार, खांसी, नाक बहना और आंखों का लाल होना जैसे लक्षण उभरने लगते हैं। इससे रोगी को खासी परेशानी व तकलीफ होती है। इससे बचने के लिए बच्चो को एमएमआर के टीके लगवाए जा सकते हैं। सफाई का समुचित ध्यान, संक्रमित व्यक्ति से दूरी ही सबसे श्रेठ उपाय होता है।

खाली पेट सोने से शरीर पर पड़ता है बुरा असर

हममें से कई लोग अक्सर रात में या तो थकान की वजह से या वजन कम करने के चक्कर में रात को खाली पेट सो जाते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान हो जाइए, कभी-कभी तो ऐसा चलता है लेकिन इसे आदत न बनाएं। खाली बेट सोने पर आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है, यहां देखें...

पोषण की कमी

रात में खाना न खाने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, खासतौर पर माइक्रोन्यूट्रिशनल डिफिसिएंसी। डायटेटिक्स मंजरी चंद्रा बताते हैं, हमारे शरीर को मैग्नीशियम, विटमिन बी13 और विटमिन डी3 जैसे माइक्रो न्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। अगर किसी इंसान को रात में खाना न खाने की आदत पड़ जाती है तो वह कुपोषण का शिकार हो सकता है।

मेटाबॉलिजम होता है प्रभावित

अगर आप अक्सर डिनर स्किप करते हैं या खान-पान का नियम ठीक नहीं है तो आपके मेटाबॉलिजम पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे आपका इंसुलिन लेवल गड़बड़ा सकता है। इसके अलावा, कलेस्ट्रॉल और थायरॉयड लेवल भी गड़बड़ हो सकता है। अगर आप सही खाना, सही समय पर नहीं खा रहे हैं तो आपके हॉर्मोन प्रभावित होते हैं, जिससे आपको कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

सोने में दिक्कत

कुछ बिना खाए सोने से आप सुबह तक करवटें बदलते रह सकते हैं। खाली पेट होने से आप मेंटली अलर्ट हो जाते हैं और गहरी नींद नहीं आती।

वजन बढ़ना

कई लोग वजन घटाने के लिए सोचते हैं कि डिनर न खाने से काम बन जाएगा लेकिन हकीकत यह है कि इसका उल्टा होता है। यह सच है कि इंसान को रात में हल्का खाना खाना चाहिए, लेकिन पूरी तरह से खाना स्किप कर देना ठीक नहीं। इससे आपका वजन बढ़ जाएगा। बॉडी ऐसे मोड में पहुंच जाती है जिसमें आप फैट स्टोर करना शुरू कर देते हैं। शरीर एनर्जी इकट्ठा करना शुरू करता है जिससे वजन बढ़ने लगता है। वजन कम करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सही तरह से खान-पान लें।

नाक के मुंहासे से हैं परेशान? इन 5 घरेलू नुस्खों को आजमाएं

नाक के मुंहासे एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। ये मुंहासे न केवल असुविधाजनक होते हैं, बल्कि चेहरे की सुंदरता को भी प्रभावित करते हैं।

इस लेख में हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप नाक के मुंहासों से राहत पा सकते हैं और अपने चेहरे को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

इन नुस्खों को अपनाकर आप आसानी से इन समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

खाने का सोडा का इस्तेमाल करें

खाने का सोडा एक असरदार सामग्री है, जो आपकी नाक के मुंहासों को कम करने में मदद कर सकती है।

इसे पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे प्रभावित क्षेत्र पर हल्के हाथों से लगाएं। 5-10 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया त्वचा की गंदगी को साफ करती है और मुंहासों को कम करने में मदद करती है।

नियमित उपयोग से आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो नाक के मुंहासों को कम करने में मदद करता है।

एलोवेरा में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो सूजन को कम करते हैं और त्वचा को ठंडक पहुंचाते हैं।

इसे रोजाना रात को सोने से पहले अपनी नाक पर लगाएं और सुबह उठकर धो लें। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनी रहेगी।

यह उपाय न केवल असरदार है, बल्कि त्वचा को पोषण भी देता है।

टी ट्री तेल का प्रयोग करें

टी ट्री तेल एक में जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो नाक के मुंहासों को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

लाभ के लिए इसे रूई पर लेकर प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं और रातभर छोड़ दें। सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। यह उपाय त्वचा को ताजगी देता है और मुंहासों को कम करने में मदद करता है।

नियमित उपयोग से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी।

नींबू का रस लगाएं

नींबू का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो त्वचा की सफाई करता है और मुंहासों को कम करता है।

लाभ के लिए एक कप पानी में नींबू का रस मिलाकर रूई की मदद से प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया त्वचा की गंदगी को साफ करती है और नमी प्रदान करती है।

नियमित उपयोग से आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ बनी रहती है।

शहद का उपयोग करें

शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को नरम बनाता है और मुंहासों को कम करता है।

लाभ के लिए रोजाना रात को सोने से पहले अपनी नाक पर थोड़ा-सा शहद लगाएं और सुबह उठकर धो लें।

इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप आसानी से अपनी नाक के मुंहासों से राहत पा सकते हैं और अपने चेहरे को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

इन नुस्खों का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों के दौरान अपने लिपस्टिक कलेक्शन में शामिल करें ये 5 शेड

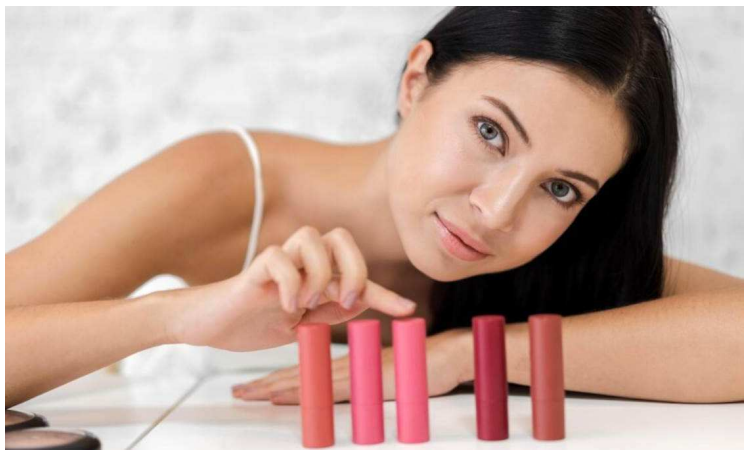

गर्मियों के दौरान लिपस्टिक का चयन करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है क्योंकि इस मौसम में पसीना और नमी के कारण लिपस्टिक के शेड बदल सकते हैं।

हालांकि, अगर आप अपनी लिपस्टिक कलेक्शन में सही शेड शामिल करें तो इस समस्या से बच सकते हैं।

आइए आज हम आपको पांच ऐसे लिपस्टिक शेड के बारे में बताते हैं, जो न केवल इस मौसम के लिए सही हैं, बल्कि आपको गर्मियों में भी स्टाइलिश लुक देंगे।

कोरल शेड लिपस्टिक

कोरल लिपस्टिक गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है क्योंकि यह आपके होंठों को एक अच्छा लुक देती है।

यह शेड न केवल आपके चेहरे की रंगत को निखारता है, बल्कि आपको एक ताजगी भरा और युवा दिखाता है।

कोरल शेड लिपस्टिक लगाने से आपका लुक खास और आकर्षक लगता है, जिससे आप हर मौके पर स्टाइलिश और आत्मविश्वासी महसूस करती हैं।

इस शेड का चयन करके आप गर्मियों में भी बेहद खूबसूरत लगेंगी।

रेड शेड लिपस्टिक

रेड शेड लिपस्टिक कभी भी फैशन से बाहर नहीं होती और हर मौसम में चलन में रहती है।

गर्मियों में इसे लगाने से आपका लुक बेहद खास और आकर्षक लगता है। रेड शेड लिपस्टिक आपके होंठों को एक चमकदार और बोल्ड लुक देती है, जिससे आप हर मौके पर स्टाइलिश और आत्मविश्वासी महसूस करती हैं। इस शेड का चयन करके आप गर्मियों में भी बेहद खूबसूरत लगेंगी और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

फूशिया शेड लिपस्टिक

फूशिया शेड लिपस्टिक एक ऐसा रंग है, जो आपके होंठों को न केवल चमकदार बनाता है, बल्कि पूरे चेहरे को भी ताजगी भरा लुक देता है।

इस शेड का चयन करके आप हर मौके पर खास लगेंगी और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

फूशिया शेड लिपस्टिक लगाने से आपका लुक बेहद खास और आकर्षक लगता है, जिससे आप हर मौके पर स्टाइलिश और आत्मविश्वासी महसूस करती हैं। यह शेड गर्मियों में भी बहुत सुंदर दिखता है।

रोज शेड लिपस्टिक

रोज लिपस्टिक एक ऐसा शेड है, जो आपके होंठों को प्राकृतिक सुंदरता से भर देता है और उन्हें नमी भी प्रदान करता है।

इस शेड का चयन करके आप हर मौके पर खास लगेंगी और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

रोज शेड लिपस्टिक लगाने से आपका लुक बेहद खास और आकर्षक लगता है, जिससे आप हर मौके पर स्टाइलिश और आत्मविश्वासी महसूस करती हैं।

न्यूड शेड लिपस्टिक

न्यूड लिपस्टिक एक ऐसा शेड है, जो आपके होंठों को प्राकृतिक लुक देता है। इस शेड का चयन करके आप हर मौके पर खास लगेंगी और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

न्यूड शेड लिपस्टिक लगाने से आपका लुक बेहद खास और आकर्षक लगता है, जिससे आप हर मौके पर स्टाइलिश और आत्मविश्वासी महसूस करती हैं।

यह शेड गर्मियों में भी बहुत सुंदर दिखता है, जिससे आप हर मौके पर खास लगेंगी। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -19

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

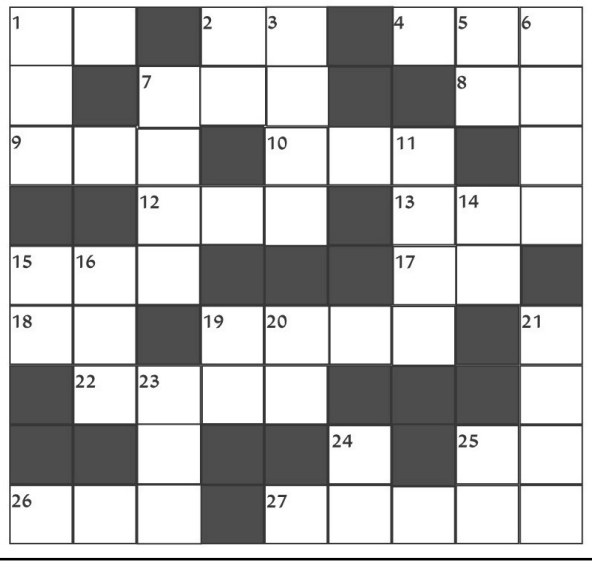

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 18 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

अनुपम खेर की डायरेक्टोरियल फिल्म में शुभांगी दत्त आएगी नजर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर 23 साल के लंबे अंतराल के बाद डायरेक्टर की कुर्सी पर बैठे है। अनुपम खेर की आने वाली फिल्म तन्वी द ग्रेट उनके करियर की एक मील का पत्थर है। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में होगा। वहीं, अनुपम खेर ने काजोल के साथ मिलकर तन्वी द ग्रेट की लीड एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक जारी किया है। अनुपम खेर ने अपने प्रोडक्शन हाउस अनुपम खेर स्टूडियो के सोशल मीडिया हैंडल पर तन्वी द ग्रेट की लीड एक्ट्रेस की झलक दिखाई है। अनुपम खेर स्टूडियो के ऑफिशियल इंस्टाग्राम स्टोरी पर तन्वी द ग्रेट की लीड एक्ट्रेस के फर्स्ट लुक टीजर इवेंट से कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहले पोस्ट में कौन है तन्वी द ग्रेट के बड़े-बड़े पोस्टर देखे जा सकते हैं। जबकि, दूसरे पोस्ट में फर्स्ट लुक की टीजर देखा जा सकता है। इस पोस्ट को कैप्शन दिया गया है, और यहां है वो। मिलिए शुभांगी दत्त से। एक अन्य पोस्ट में स्टेज पर खड़े अनुपम खेर को काजोल के साथ मुस्कुराते नजर आ रहे हैं।

अनुपम खेर स्टूडियो पर तन्वी द ग्रेट से शुभांगी का फर्स्ट लुक टीजर जारी किया गया है और कैप्शन में लिखा है, जबसे मैंने आपको तन्वी द ग्रेट का फर्स्ट लुक दिखाया था तभी से मुझे आपको तन्वी से मिलाने की बहुत उत्सुकता थी। तो आज वो दिन आखिर आ ही गया। लीजिये, मिलिए दुनिया की सबसे प्यारी, अनोखी और मूल लडक़ी, तन्वी से। फिल्म की कहानी तन्वी नाम की एक रहस्यमयी लडक़ी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लैंसडाउन, उत्तराखंड की रहने वाली है। उसकी आंखों में कई सपने हैं, जिसे वह पूरा करने का ख्वाब देखती है। इससे पहले, एक्टर ने यह अनाउंसमेंट किया था कि फिल्म को वर्ल्ड प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में होगा। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शुभांगी का फर्स्ट लुक टीजर शेयर किया है और फिल्म के बारे में कुछ जानकारी साझा की है। तरण आदर्श ने लिखा है, काजोल ने अनुपम खेर की निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट से शुभांगी को लीड एक्ट्रेस के तौर पर पेश किया है। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर कान्स में होगा। अनुपम खेर ने शुभांगी को अपनी आगामी निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट की लीड लेडी के रूप में पेश किया है।

काजोल ने एक इवेंट में फर्स्ट लुक टीजर का अनावरण किया है। तरण आदर्श के मुताबिक, शुभांगी का सेलेक्शन अनुपम खेर के प्रसिद्ध एक्टिंग स्कूल, एक्टर प्रिपेयर्स से हुआ है, जहां उन्होंने सालों तक ट्रेनिंग ली। यह फिल्म प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने वर्ल्ड प्रीमियर के लिए तैयार है। अनुपम खेर ने तन्वी द ग्रेट का निर्देशन किया है। जबकि, अकादमी पुरस्कार और गोल्डन ग्लोब पुरस्कार विजेता एम।एम। कीरवानी ने फिल्म में संगीत दिया है। इस फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियो ने एनएसडीसी के सहयोग से किया है।

जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमैट को होली के दिन यानी 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी।

अब द डिप्लोमैट अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

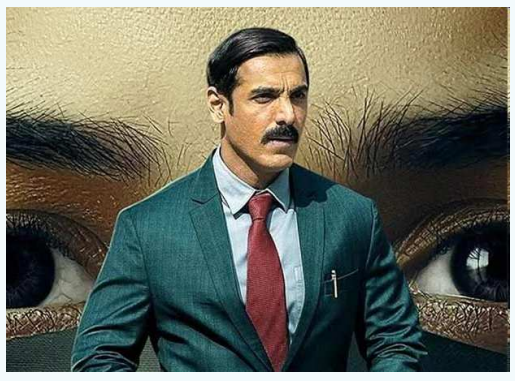

आइए जानें आप यह फिल्म ओटीटी पर कहां और कब देख सकते हैं।

द डिप्लोमैट का प्रीमियर 9 मई, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

सैकनिल्क के मुताबिक, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 35.9 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं फिल्म का बजट 2० करोड़ रुपये था।

द डिप्लोमैट का निर्देशन शिवम नायर ने किया है। जॉन ने फिल्म का नाम भूषण कुमार के साथ किया है।

इस फिल्म में सादिया खतीब, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया है।

द डिप्लोमैट की कहानी भारतीय डिप्लोमैट जेपी सिंह के जीवन से प्रेरित है, जिनका किरदार जॉन ने निभाया है।

दरअसल, दिल्ली की रहने वाली उज्मा अहमद की दोस्ती ऑनलाइन पाकिस्तानी शख्स से होती है, जिसके बाद वो उससे मिलने पाकिस्तान चली जाती है। वहां वो शख्स उज्मा से जबरदस्ती शादी कर उसे कैद रखता है।

तब जेपी सिंह से उसकी मुलाकात होती है, जो उसे पाकिस्तान से भारत वापस लाने के लिए अपनी जी-जान लगा देते हैं।

आज के युवा पीढ़ी पारंपरिक भारतीय परिधानों को कम महत्व देती है: अविका गोर

अभिनेत्री अविका गौर का मानना है कि साड़ी या सलवार कमीज जैसे भारतीय परिधानों को पहनना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच, बहुत कम महत्व दिया जाता है। अविका ने कहा, मुझे लगता है कि साड़ी या सलवार कमीज जैसे पारंपरिक भारतीय परिधानों को पहनना बहुत कम आंका जाता है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच। मुंबई या हैदराबाद जैसे शहरों में, मैं शायद ही युवाओं को हमारी संस्कृति के इस हिस्से को अपनाते हुए देखती हूं।

साड़ियाँ बहुत खूबसूरत होती हैं, और यह देखना अच्छा लगेगा कि ज़्यादा से ज़्यादा लोग उन्हें कैज़ुअली पहने हुए हैं - यहाँ तक कि एयरपोर्ट पर भी। थोड़ा सा काजल और बिंदी लगाएँ, और आपका लुक शानदार हो जाएगा। मुझे उम्मीद है कि ज़्यादा से ज़्यादा युवा लोग इसमें खूबसूरती देखना शुरू करेंगे.

बालिका वधू में आनंदी की भूमिका निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री, जिसके लिए उन्हें 2००9 में राजीव गांधी पुरस्कार मिला था, फैशन के मामले में कालातीत क्लासिक्स को प्राथमिकता देती हैं।

कारण बताते हुए अविका ने कहा कि क्योंकि वे कालातीत हैं, इसका मतलब है कि उन्हें पीढ़ियों से पसंद किया जाता रहा है। उन्हें चुनने में निश्चितता और सहजता की भावना होती है। उन्होंने आगे कहा, अक्सर रुझानों को अपनाने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं और गलत होने का जोखिम भी रहता है। लेकिन क्लासिक्स के मामले में कोई झिझक या संदेह नहीं होता - वे बस काम करते हैं। मैं इसी में विश्वास करती हूं।

2००7 में अविका ने शश्शश...कोई है से हिंदी टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने 2०13 में उय्याला जम्पला के साथ टॉलीवुड में अपनी फिल्मी शुरुआत की। बालिका वधू में अपने काम से प्रसिद्धि पाने के बाद, अभिनेत्री को ससुराल सिमर का जैसे शो और 192०-हॉरर्स ऑफ द हार्ट और ब्लडी इश्क जैसी फिल्मों में देखा गया था।

पिछले कुछ सालों में उनकी शैली किस तरह विकसित हुई है? अविका ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, स्क्रीन पर मुझे नहीं लगता कि मेरी कोई भूमिका है। मेरा लुक डिज़ाइनर, स्टाइलिस्ट और निर्देशकों द्वारा तय किया जाता है जो मेरे द्वारा निभाए जाने वाले किरदार की कल्पना करते हैं। इसलिए, आप जो स्टाइल देखते हैं वह किरदार का है, मेरा नहीं। लेकिन ऑफ-स्क्रीन, मैं निश्चित रूप से विकसित हुई हूं। मैंने सीखा है कि आराम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मैंने अपनी खुद की पसंद को भी अपनाना शुरू कर दिया है - जैसे कि यह जानना कि लाल रंग की ड्रेस मुझे काले रंग की ड्रेस से बेहतर लगेगी। किसी ऐसे आउटफिट को नहीं कहना जो मुझे सही नहीं लगता, ऐसा कुछ है जो मैं पहले कभी नहीं करती थी, और यह एक ऐसा व्यक्तिगत विकास है जिसकी मैं वास्तव में खुद में प्रशंसा करती हूं।

बोल्ड अवतार में पूल किनारे दिखीं भोजपुरी स्टार मोनालिसा

भोजपुरी इंडस्ट्री की ग्लैमरस और चर्चित एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने हॉट लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह पूल किनारे स्टाइलिश बिकिनी आउटफिट में नजर आ रही हैं। सिर पर हैट और चेहरे पर कॉन्फिडेंस, इस अंदाज में मोनालिसा ने अपने फैंस का दिल जीत लिया है। पूल के किनारे जीवन अच्छा है कैप्शन के साथ शेयर की गई इन तस्वीरों में मोनालिसा का अंदाज और आत्मविश्वास काबिल-ए-तारीफ है। फोटो में उन्होंने एंजलट्रूक्रोशेट स्विमवियर का आउटफिट पहना है। उनकी इस तस्वीर पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं।

एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने भी कमेंट करते हुए लिखा - हे भगवान वहीं कई फैंस ने उन्हें गॉर्जियस, हॉट, क्वीन जैसे शब्दों से नवाजा। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लाइफस्टाइल से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ साझा करती हैं। उनका यह पूलसाइड लुक भी लोगों को खूब भा रहा है और यह तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।

भोजपुरी फिल्मों से लेकर टीवी रियलिटी शोज़ तक, मोनालिसा की फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उनके हर लुक और पोस्ट को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है।

किसी को अंदाजा नहीं है कि क्या बड़ा होने वाला है

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार, 22 अप्रैल को हुए नरसंहार के बाद भारत की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया बुधवार, 23 अप्रैल की देर शाम को आई, जब सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीएस की बैठक में पांच बड़े फैसले किए गए। यह एक त्वरित और कूटनीतिक प्रतिक्रिया है, जिस पर नागरिकों के एक बड़े समूह को निराशा हुई है। उनका कहना है कि पहलगाम जैसी बड़ी घटना के बाद भारत की प्रतिक्रिया इतनी मुलायम नहीं होनी चाहिए, बल्कि भारत को तत्काल पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहिए। लोग सैन्य कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सोशल मीडिया 'देशभक्तों' की खून खौलाने वाली बातों से भरा है। खून के बदले खून की मांग की जा रही है। जाहिर है ऐसी घटनाओं के बाद आम लोगों की प्रतिक्रिया ऐसी ही होती है और सरकारें बड़े सामरिक फैसले आम लोगों की प्रतिक्रिया के हिसाब से नहीं करती हैं। फिर भी यह सवाल तो है ही कि पहलगाम के बाद क्या रास्ता है?

क्या भारत सरकार पहलगाम की घटना को आगे के बड़े खतरे का संकेत समझ कर ऐसी कार्रवाई करगी, जो इससे पहले नहीं हुई हो या सरकार की प्रतिक्रिया वैसी ही होगी, जैसी उरी के बाद हुई, बालाकोट के बाद हुई या पुलवामा के बाद हुई? कह सकते हैं कि भारत ने एयर स्ट्राइक या सर्जिकल स्ट्राइक की। लेकिन उससे हासिल क्या हुआ? क्या आतंकवाद का नेटवर्क ध्वस्त हो गया? क्या सीमा पार के सारे आतंकवादी लॉन्च पैड नष्ट हो गए? क्या आतंकवादी संगठनों के सरगना मारे गए? ऐसा कुछ नहीं हुआ।

उलटे नए आतंकवादी संगठन बने, जो पहले से ज्यादा खूंखार हैं और जिनको कश्मीर के स्थानीय नागरिकों का भी ख्याल नहीं है। असल में भारत की ओर से जो प्रतिक्रिया दी गई वह तात्कालिक थी, जिसका मकसद लोगों की भावनाओं का उबाल ठंडा करना था। किसी दीर्घकालीन योजना के तहत कार्रवाई नहीं हुई। तभी ऐसी कार्रवाइयों से आंशिक सफलता हासिल हुई।

यह अलग बात है कि सरकार लगातार यह नैरेटिव बनाने का प्रयास करती रही है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में आतंकवादी हमले नहीं हो रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में शांति बहाल हो गई है। लेकिन यह अधूरा सच है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद राज्य में शांति की धारणा बनी है लेकिन पूरी तरह से शांति बहाल नहीं हुई है। पि

छले पांच साल की बात छोड़ दें और पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के बाद की बात करें तो नौ जून 2024 से लेकर 22 अप्रैल 2025 तक आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर में 60 से ज्यादा लोगों की हत्या की है, जिसमें कम से कम 33 जवान हैं, जो अलग अलग सुरक्षा बलों से जुड़े हुए थे। 22 अप्रैल को पहलगाम में मारे गए 27 लोगों की संख्या जोड़ें तो पिछले 10 महीने में आतंकवादियों ने करीब 90 लोगों की हत्या की है। तभी धारणा बनाने की बजाय दीर्घकालीन सोच के साथ स्थायी शांति बहाली की योजना पर काम होना चाहिए।

उसमें सरकार की ओर से किए गए फैसले कितने कारगर होंगे यह नहीं कहा जा सकता है। मिसाल के तौर पर भारत ने 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया है। इसका मतलब है कि अब सिंधु, झेलम, चिनाब सहित इस स्ट्रीम की नदियों का पानी पाकिस्तान को नहीं मिलेगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि भारत तत्काल यह पानी रोकने की स्थिति में नहीं है क्योंकि भारत ने कोई डैम या वाटर रिजर्वायर यानी जल संरक्षण का ढांचा नहीं बनाया है।

उरी हमले के बाद 2016 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता है तभी अगर भारत ने सिंधु जल संधि रद्द की होती और अगले आठ साल में नदियों का पानी रोकने का ढांचा तैयार किया होता तो पाकिस्तान को अब तक सबक मिल गया होता। लेकिन बुधवार, 23 अप्रैल को हुए फैसले का सबक मिलने में समय लगेगा। इसके लिए भी भारत को तत्काल पहल करनी होगी और सिंधु घाटी की नदियों के जल संरक्षण का अपना ढांचा बनाना होगा ताकि पानी पाकिस्तान जाने से रोका जा सके। अगर भारत पानी रोक देता है तो पाकिस्तान के बड़े हिस्से में कृषि कार्य ठप्प होंगे और पानी की बड़ी किल्लत पैदा होगी, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति पर भी बुरा असर पड़ेगा।

इसके अलावा भारत ने चार और फैसले किए हैं। पहला, अटारी वाघा बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है और वैध वीजा पर भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को एक मई तक वापस लौट जाने को कहा गया था। इसके बाद किसी को वीजा नहीं मिलेगा। दूसरा, सार्क वीजा छूट योजना यानी एसवीईएस की सुविधा बंद कर दी गई है और इस वीजा पर भारत आए लोगों को 48 घंटे में देश छोडऩे के लिए कहा गया था।

तीसरा, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात रक्षा और सैन्य सलाहकारों को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' यानी अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया और एक सप्ताह में भारत छोडऩे को कहा गया था। चौथा, उच्चायोग के कर्मचारियों की संख्या 55 से घटा कर 30 करने को कहा गया। भारत भी इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से कर्मचारी घटाएगा यानी कूटनीतिक संबंधों को और सीमित किया जाएगा।

सिंधु जल संधि रद्द करने के अलावा बाकी चार जो फैसले हुए हैं वो रूटीन के हैं। आमतौर पर देशों के बीच किसी तरह का विवाद होने पर इस तरह के फैसले किए जाते हैं। ध्यान रहे कुछ समय पहले ही भारत और कनाडा के बीच विवाद हुआ तो दोनों देशों ने ऐसे फैसले किए थे। दोनों देशों ने उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या घटाई थी और वीजा में कटौती का ऐलान किया था। सो, पाकिस्तान के मामले में किए गए इन फैसलों से कोई बड़ा असर नहीं पडऩे वाला है।

वैसे भी पाकिस्तान से भारत का दोपक्षीय व्यापार बंद है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही दोपक्षीय व्यापार बंद है और किसी तीसरे देश के जरिए दोनों के बीच थोड़े बहुत सामानों का कारोबार होता है। जहां तक पाकिस्तानी नागरिकों के भारत आने का सवाल है तो वह भी काफी कम हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कुल 15 या 16 हजार लोग पिछले साल भारत आए हैं। इनमें भी ज्यादातर ऐसे हैं, जिनके रिश्तेदार भारत में रहते हैं।

इसके बावजूद भारत सरकार की ओर से किए गए पांच फैसलों को एक शुरुआत मान सकते हैं। यह पहला कदम है और उम्मीद की जा सकती है कि इसके बाद भारत सरकार बड़ा फैसला और बड़ी कार्रवाई करेगी। भारत में पिछले कुछ समय से यह नैरेटिव बनाया जा रहा है कि कुछ बड़ा होने वाला है। हालांकि किसी को अंदाजा नहीं है कि क्या बड़ा होने वाला है।

अब कहा जा रहा है कि पहलगाम घटना ने भारत सरकार को मौका दिया है कि वह पाकिस्तान को सबक सिखाए और उसकी सीमा में स्थित आतंकवाद के नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त करे। यह भी कहा जा रहा है कि पाक अधिकृत कश्मीर को वापस हासिल करने का यह सबसे बेहतर समय है। परंतु ऐसे कामों के लिए क्या बेहतर समय और अवसर होगा यह तय करना सैन्य रणनीतिकारों का काम है और उस पर अमल करना सरकार का काम है।

लेकिन इतना जरुर कहा जा सकता है कि बड़ी सैन्य कार्रवाई के साथ जम्मू कश्मीर के लोगों को भरोसे में लेने की जरुरत है और साथ ही स्थानीय स्तर पर सुरक्षा और खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने की जरुरत है ताकि ऐसी घटनाओं का दोहराव रोका जा सके।

सू- दोकू क्र.19

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.18 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को अभूतपूर्व समर्थन

हिमानी रावत

पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो भी कदम उठाए हैं, उन्हें चीन को छोडक़र विश्व के सभी प्रमुख देशों का समर्थन मिला है। यहां तक कि अधिकांश मुस्लिम राष्ट्रों ने भी भारत के रुख का समर्थन किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तो भारत के प्रधानमंत्री से लगभग यह कह दिया है कि प्रधान मंत्री मोदी जो कुछ भी करेंगे, अमेरिका उनका समर्थन करेगा। फ्रांस, रूस, अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, इटली, इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई बड़े देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके भारत के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। भारत की एक और महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता यह रही कि पहलगाम हमले से लेकर अब तक हमने कभी भी पाकिस्तान का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। पिछले आतंकी हमलों के दौरान जिस तरह से भारत द्वारा पाकिस्तान को डोजियर सौंपा जाता था, इस बार ऐसा कुछ नहीं किया गया, इसके बावजूद पाकिस्तान बौखलाहट में है। यहां तक कि उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने भी यह स्वीकार किया है कि पाकिस्तान पिछले 30 वर्षों से आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहा है। स्पष्ट रूप से, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान पर दबाव बढ़ा दिया है। इसी के साथ रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में पहलगाम हमले को लेकर दुख व्यक्त किया। उन्होंने यह बिल्कुल सही कहा कि आतंक की तस्वीरों को देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही थी और लोगों की आय बढ़ रही थी, तब देश और विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को यह अच्छा नहीं लगा। हम सभी को यह समझना होगा कि आतंकवादी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल घड़ी में 140 करोड़ देशवासियों की एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

वास्तव में, भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वही भावना पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद दुनिया भर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। स्वाभाविक रूप से, कई राष्ट्र प्रमुखों ने प्रधानमंत्री को फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है और इस जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है।

फिलहाल, पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि उसके पास सात दिनों से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार नहीं बचा है। इसके बावजूद, जनरल मुनीर के जिहादी बयान और शेखचिल्ली जैसे दावे कम नहीं हुए हैं। यह कहावत चरितार्थ होती है कि 'रस्सी जल गई, पर ऐंठन नहीं गई'। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो का 'खून या पानी' बहने वाला बयान भी दरअसल सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले से उत्पन्न घबराहट का परिणाम है।

यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2008 में मुंबई हमले के बाद भारत में गुस्से और बदले की भावना को शांत करने के लिए पाकिस्तान ने संयुक्त जांच का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली से पूछताछ के आधार पर मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ भारत द्वारा भेजे गए डोजियर पर पाकिस्तान ने कोई कार्रवाई नहीं की। विभिन्न आतंकी हमलों की जांच के संबंध में भारत द्वारा भेजे गए 20 लेटर रोगेटरी (एलआर) का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। इसके अतिरिक्त, पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले की भारत-पाकिस्तान की संयुक्त जांच भी हुई थी, जिसके लिए पाकिस्तानी जांच दल भारत आया था, लेकिन उसका कोई परिणाम सामने नहीं आया। स्पष्ट है कि किसी भी निष्पक्ष और स्वतंत्र एजेंसी से जांच की शरीफ की मांग सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने और भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई से बचने का एक प्रयास है। एक तरफ पाकिस्तान पहलगाम हमले से अपना पल्ला झाडऩे की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर वह कश्मीर को अपनी 'गर्दन की अहम नस' बताने से भी बाज नहीं आ रहा है।

चारधाम यात्राः श्री बद्रीनाथ धाम में सुरक्षा कड़ी, सघन चैकिंग

हमारे संवाददाता

चमोली। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत श्री बद्रीनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है। धाम में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने विशेष एहतियाती कदम उठाए हैं। इस कड़ी में पुलिस द्वारा धाम में प्रवेश करने वाले सभी श्रद्धालुओं और अन्य लोगों की सघन तलाशी ली जा रही है।

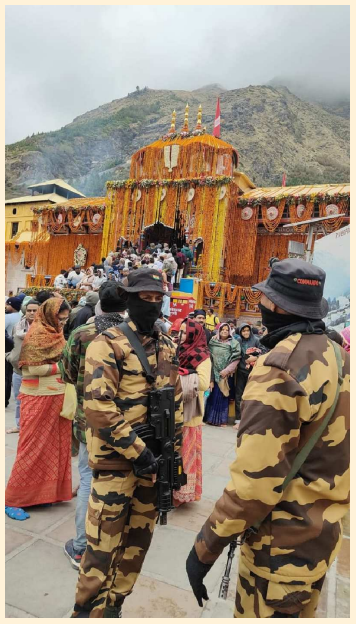

आज विशेष रूप से दर्शन के लिए पहुंचे सभी श्रद्धालुओं की गहनता से तलाशी और उनके सामानं की जांच की गई। पुलिस ने श्रद्धालुओं से लगातार यह अनुरोध किया है कि वे अपने साथ मंदिर परिसर के भीतर बैग या बड़ा सामान लेकर न आएं ताकि चौकिंग प्रक्रिया सुगम बनी रहे और सभी को असुविधा न हो। धाम की समग्र सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, आतंकवादी निरोध दस्ता (एटीएस) को भी तैनात किया गया है। पूरे बद्रीनाथ धाम की सुरक्षा का जिम्मा अब एटीएस के कंधों पर है। एटीएस की तैनाती यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और सुरक्षा का उच्चतम स्तर बनाए रखा जा सके। पुलिस ने यह स्पष्ट किया है कि ये सभी कदम श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उठाए जा रहे हैं ताकि सभी यात्री निर्विघ्न और सुरक्षित यात्रा कर सकें। यात्रियों से सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की गई है।

योगाचार्य जोशी ने दी भारतीय सेना को बधाई

संवाददाता

देहरादून। ऑपरेशन सिंदून की सफलता पर योगाचार्य डा. विपिन जोशी ने भारतीय सेना को बधाई दी।

आज यहां आपरेशन सिंदूर की सफलता पर योगाचार्य डा. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में ब्लूमिंग बर्डस स्कूल गढ़ी कैंट में भारतीय सेना को बधाई दी गई। डा. जोशी ने कहा आतंकवाद का अब खत्मा होना ही चाहिए, अंतिम आतंकवादी को जमीन में गाड़ने तक करवाई जारी रहनी चाहिए। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य वसंत उपाध्यक्ष सहित काफी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं बच्चे उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी व राष्ट्रीय सेवा योजना ने संयुक्त रूप से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

आज यहां यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में आज भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी उत्तराखंड एवं मान्य चैरिटेबल ब्लड सेंटर प्रेम नगर के सहयोग से विश्व रेड क्रॉस दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता देहरादून में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर यतीश वशिष्ठ ने महाविद्यालय की प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया। स्वैच्छिक रक्तदान के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उत्तराखंड रेड क्रॉस सोसाइटी के कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री द्वारा छात्र-छात्राओं को रक्तदान के बारे में अवगत कराया तथा विश्व रेडक्रॉस दिवस की पूर्व संध्या पर रक्तदान महादान के विचारों से छात्र-छात्राओं का मनोबल बड़ा जिससे छात्र-छात्राओं में रक्तदान में बढ़-चढ़कर भाग लिया.। रक्तदान में 39 यूनिट रक्त दान महाविद्यालय में किया गया।

'डीएम लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम प्रभावी, जनमन की समस्या का टाइम बाउंड समाधान'

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की सशक्त प्रशासन, त्वरित प्रभावी कार्यशैली के चलते जहां जनमानस की शिकायतों का तुरंत समाधान हो रहा है वही विकास योजनाएं भी धरातल पर मूर्तरूप ले रही हैं।

जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा जनमानस की शिकायत के निस्तारण हेतु एवं शिकायतों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए कलेक्ट्रेट में स्थापित किए गए लेटर मॉनिटरिंग सिस्टम से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिससे जनमानस की शिकायतों का टाइम बाउंड निस्तारण में सहायता प्राप्त हो रही है तथा विभागीय अधिकारियों की जनमन के प्रति भी जवाबदेही बढ़ गई है।

जिलाधिकारी सविन बंसल की सशक्त प्रशासन, त्वरित प्रभावी कार्यशैली के चलते जहां जनमानस की शिकायतों का तुरंत समाधान हो रहा है वही विकास योजनाएं भी धरातल पर मूर्तरूप ले रही हैं। जनता दर्शन कार्यक्रम में 28 अप्रैल को अपनी शिकायत लेकर आए शिकायतकर्ता देवेन्द्र कुमार ठुकराल, निवासी खुड़बुड़ा मौहल्ला, देहरादून सीवरेज लाइन संबंधी शिकायत का एक मई को जलसंस्थान द्वारा निस्तारण कर दिया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा जनता दर्शन में सीवर लाईन चोक एवं सीवर मेनहोल चैम्बर कवर सड़क तल से नीचे होने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थी।

❑सशक्त प्रशासन, त्वरित प्रभावी निर्णय डीएम सविन की कार्यशैली में है शामिल

क्षेत्रीय सहायक अभियन्ता द्वारा शिकायत पर की गई कार्रवाई के संबंध में दी गयी आख्या में अवगत कराया कि, एक मई को चोक सीवर लाईन को खोलने के साथ-साथ सड़क तल से नीचे दबे मेनहोल चौम्बर कवर को रेजिंग कर दिया गया है। वर्तमान में उक्त स्थल पर विभागीय सीवर लाईन सुचारू रूप से कार्य कर रही है, जिसकी पुष्टि शिकायतकर्ता द्वारा दे मई को दूरभाष के माध्यम से कर दी गयी है।

दो मोटरसाईकिलों की टक्कर में एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। दो मोटरसाईकिलों की आपस में टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भूडपुर निवासी सुलोचना देवी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पति संजय अपनी मोटरसाइकिल से शहर से घर की तरफ आ रहे थे जब वह रामगढ के पास पहुंचे तभी सामने से तेज गति से आ रही मोटरसाईकिल सवार ने उसके पति की मोटरसाईकिल पर टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने उनको अस्पताल पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छात्र-छात्राओं को नशा न करने की दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। एसबीएस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में एंटी ड्रग सेल की ओर से जन जागरूकता कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के मध्य आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के प्राध्यापकों, एंटी ड्रग्स प्रभारी और प्राचार्य महोदय द्वारा नशे की समस्या, उसके दुष्परिणाम, और उससे दूर रहने के उपाय विस्तार से बताए गए।

स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर गठित एंटी ड्रग क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा ड्रग की समस्या पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। सभी छात्र छात्राओं को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार उभान,प्रोफेसर सरबजीत सिंह, प्रो. आशा राणा,प्रोफेसर शंभू दत्त पांडे, डॉक्टर विवेकानंद पाठक शोध छात्र अर्पण नौटियाल ,दीपांशु जोशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एंटी ड्रग प्रभारी प्रो. आशा राणा द्वारा किया गया।

चंद्रमा प्रोडक्शन द्वारा लक्ष्य सम्मान समारोह 2025 का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। चंद्रमा प्रोडक्शन द्वारा लक्ष्य अवार्ड सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

आज यहां विकास खंड भिलंगना के हिंदाव पट्टी स्थित समाजसेवी बचन सिंह रावत एवं चन्द्रमा प्रोडक्शन के सौजन्य से अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज मथकुड़ी सैंण में लक्ष्य अवार्ड सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गय। जगदी समिति नौजुला हिंदाव के अध्यक्ष कैप्टन केदार सिंह मालध्या ने बताया कि समस्त पट्टी हिंदाव के विद्यालयों में कक्षा 1 से 12वीं तक प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, समस्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यो, क्षेत्र के पूर्व सैनिक, सेवा निवृत्त कर्मचारियों, अन्य जनों को, सीनियर सिटीजन आदि को सम्मानित किया गया। प्रदेश की स्वर कोकिला मीना राणा, बीना बोरा एवं संगीतकार कुमोला प्रशांत आदि सात ही मीना राणा को 51 हजार रूपये का पुरस्कार दिया गया। उनके गायिकी एवं संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए भी

सम्मानित किया गया। इस कार्य के लिए क्षेत्र की समस्त जनता की ओर से मैं बचन सिंह रावत एवं चन्द्रमा प्रोडक्शन का तहदिल से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने जीवन को समर्पित करने वाले प्रदेश स्तर पर विशेष पुरस्कारों से नवाजे गए स्व श्री हृदय राम अंथवाल को श्रद्धांजलि स्वरूप लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनकी पत्नी, बेटा व भानजा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारी शिवप्रसाद सेमवाल, खण्ड शिक्षा अधिकारी सुमेर सिंह कैंतुरा, उप-शिक्षा अधिकारी कार्की आदि ने बच्चों को पुरूस्कार देकर उनका हौसला एवं मनोबल बढ़ाया। व्यवस्था को सुचारू रूप बनाने के लिए अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज मथकुड़ी सैंण के समस्त स्टाफ, भोजन माताएं, छात्र व छात्राओं एवं विषेश रूप से बिक्रम घणाता जी धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी सहयोग कर्ताओं का भी धन्यवाद। अध्यक्ष केदार सिंह ने बताया कि वह मां जगदी से प्रार्थना करते हैं कि मां की कृपा सदैव बचन सिंह रावत एवं उनके परिवार पर बनी रहे आप जीवन में दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करें।

दून पुलिस ने किया ड्रिल का अभ्यास

❑रिस्पांस टाइम का आंकलन कर ड्रिल में प्रतिभाग कर रहे पुलिस बल को दिये आवश्यक निर्देश

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने ऋषिकेश क्षेत्र में ड्रिल अभ्यासकर रिस्पांस टाइम का आंकलन कर एसएसपी ने पुलिस बल को आवश्यक निर्देश दिये।

आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशों पर ऋषिकेश क्षेत्र में किसी आकस्मिक स्थिती पर पुलिस द्वारा महत्पूर्ण प्रतिष्ठानों/स्थानों की सुरक्षा हेतु की जाने वाले कार्यवाही के अभ्यास हेतु ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस तथा एटीएस की टीमों द्वारा आकस्मिक स्थिती में एम्स अस्पताल, रेलवे स्टेशन, ट्रांजिट कैम्प, बस अड्डा आदि महत्वपूर्ण स्थानों की आकस्मिक चौकिंग का अभ्यास किया गया। इस दौरान उपस्थित आम जनमानस को आकस्मिक स्थिती के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

ड्रिल के दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा घटना की सूचना पर पुलिस के रिस्पांस टाइम का आंकलन करते हुए उपस्थित पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दून पुलिस हाई अलर्ट पर

संवाददाता

देहरादून। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा पकिस्तान में कार्यवाही हेतु चलाये ऑपरेशन सिंदूर के बाद एसएसपी अजय सिंह द्वारा दून पुलिस को हाई अलर्ट में रखा गया है।

आज यहां पहलगाम में हुए हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा देर रात्रि पाकिस्तान में कार्यवाही हेतु चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर के दृष्टिगत एसएसपी देहरादून द्वारा दून पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

दून पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा अर्द्धसैनिक बलों के साथ तड़के प्रात: से ही जनपद के नगर व देहात क्षेत्रो में वृहद स्तर पर चेकिंग अभियान चलाते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश की जा रही है, इस दौरान पुलिस द्वारा लगातार सभी थाना क्षेत्रो में निवासरत बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की कार्रवाई करते हुए संधिक्त व्यक्तियों को पूछताछ हेतु थाने लाया जा रहा है।

कैश कांड में जस्टिस यशवंत वर्मा दोषी करार !

नई दिल्ली (कासं)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय इन-हाउस जांच समिति ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को उनके आवास पर कथित रूप से मिली बेहिसाब नकदी के मामले में दोषी ठहराया है। इस रिपोर्ट को भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, अब न्यायमूर्ति वर्मा के पास या तो इस्तीफा देने का विकल्प है या फिर उनके खिलाफ महाभियोग की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी जाएगी। यदि वे इस्तीफा नहीं देते हैं, तो यह रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजी जाएगी, जिसमें महाभियोग की सिफारिश की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, न्यायमूर्ति वर्मा को प्रतिक्रिया देने के लिए 9 मई, शुक्रवार तक का समय दिया गया है। यह जांच समिति सीजेआई संजीव खन्ना द्वारा 22 मार्च को गठित की गई थी, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अनु शिवरामन शामिल थे। इस समिति ने 25 मार्च से जांच शुरू की थी और 4 मई को अपनी रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश को सौंपी।

14 मार्च की शाम को न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास पर आग लग गई थी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाते समय वहां कथित रूप से बड़ी मात्रा में जली हुई नकदी बरामद की। उस समय न्यायमूर्ति वर्मा और उनकी पत्नी दिल्ली में नहीं थे, वे मध्यप्रदेश में यात्रा पर थे। घर में केवल उनकी बेटी और वृद्ध मां मौजूद थीं। इस घटना के बाद एक वीडियो सामने आया जिसमें नकदी के बंडल आग में जलते हुए दिखाई दिए।

असहाय बुजुर्ग की मदद को आगे आयी दून पुलिस

संवाददाता

देहरादून। भारी बारिश के बीच एक बुजुर्ग व्यक्ति के ग्रेट वैल्यू चौक के पास असहाय अवस्था में सड़क किनारे बैठे होने की सूचना पर एसएसपी द्वारा तत्काल संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर उक्त बुजुर्ग व्यक्ति की सहायता के निर्देश दिए गए। आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह को भारी बारिश के बीच एक बुजुर्ग व्यक्ति के ग्रेट वैल्यू चौक के पास असहाय अवस्था में सड़क किनारे बैठे होने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना पर एसएसपी देहरादून द्वारा तत्काल संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर उक्त बुजुर्ग व्यक्ति की सहायता के निर्देश दिए गए। जिस पर चौकी प्रभारी हाथी बरगला तत्काल मौके पर पहुंके तथा बारिश में भीगने के कारण ठंड से ठिठुर रहे उक्त बुजुर्ग व्यक्ति को प्राथमिक उपचार हेतु कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही बारिश के कारण बुजुर्ग व्यक्ति के खराब हुए कपड़ों को बदलवाते हुए उनके लिए नए कपड़ों, भोजन तथा अन्य सामान की व्यवस्था की गई। पुलिस से मिले स्नेह तथा अपनत्व के लिए बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा दून पुलिस का आभार प्रकट करते हुए पुलिस कर्मियों को अपना आशीर्वाद दिया

पूर्व सीएम ने दी 'ऑप्रेशन सिंदूर' कार्यवाही पर भारतीय सेना को बधाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। पूर्व सीएम हरीश रावत ने आज 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय सेना ने फिर से यह स्थापित कर दिया है कि भारत की तरफ जो भी आंखे दिखायेगा भारत उसकी आखे फोड़ दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने हमारे सिर गर्व से ऊपर किया है। उन्होने भारतीय सेना द्वारा की गयी कार्यवाही आप्रेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि दुष्मन हमारी बहन-बेटियों का सिंदूर लूटोगा तो भारत चुप नहीं बैठेगा। उन्होने कहा कि हमारी सेना ने यह दिखा दिया कि आतंक और आतंकवादी कहीं भी हों हम वहां भी उनको नहीं छोड़ेंगे। उन्होनक कहा कि आतंकवाद पर यह प्रहार, उसके लिए मैं भारतीय सेना को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। हम सब एक हैं, सारा भारत एक है। उन्होने कहा कि हमें उम्मीद है पाकिस्तान ने कुछ और हठधर्मी दिखाई तो फिर हमारा लक्ष्य अब केवल वह मस्जिद सुभान अल्लाह नहीं होगी जहां से आतंकवादी तैयार करके भारत के अंदर चाहे संसद भवन हो, चाहे मुंबई हो या कहीं भेजे जाते थे, आज जैश के हेड क्वार्टर पर हमला करके भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को चुनौती दी है कि या तो दुम दबा करके कहीं किसी बिल में घुस जाओ नहीं तो तुम्हारा अब कोई ठिकाना नहीं है। अब तुम्हें कोई नहीं बचा सकता है।

ऑपरेशन संकल्प के तहत सुरक्षा बलों ने 15 नक्सलियों को मार गिराया

बीजापुर (कासं)। पाकिस्तान और पीओके में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई एयर स्ट्राइक के तुरंत बाद जवानों ने छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सीमा से लगे बीजापुर जिले में 15 से अधिक नक्सली को ढेर कर दिया है।

ऑपरेशन संकल्प के तहत करेंगुट्टा हिल्स के जंगल में ये मुठभेड़ हुई जिसमें जवानों ने नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारी ने बताया ये हमला नक्सली ताकतों के खिलाफ चलाए जा रहे संकल्प अभियान का हिस्सा थी।

21 अप्रैल को शुरू किया गया ऑपरेशन संकल्प, बस्तर क्षेत्र में

नक्सलियों के गढ़ों को निशाना बनाकर किया जाने वाला ये हमला उग्रवाद विरोधी अभियान है। यह माओवादियों की बटालियन नंबर 1 और माओवादियों की तेलंगाना राज्य समिति को निशाना बनाता है, जो घने जंगलों वाले इलाकों में छिप कर नक्सली ऑपरेशन चलाते हैं।

इस मुठभेड़ से पहले संघर्ष बढ़ने के संकेत मिल रहे थे। एक दिन पहले इसी इलाके में एक महिला नक्सली को मार गिराया गया था। इसके अलावा, सोमवार को इसी इलाके में हुई मुठभेड़ में चार महिला नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में एक राइफल भी जब्त की गई थी। बताया गया है कि इन मुठभेड़ों के दौरान एसटीएफ, डीआरजी और कोबरा इकाइयों के छह सुरक्षाकर्मी प्रेशर आईईडी विस्फोटों से घायल हो गए।

इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड , बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स, राज्य पुलिस इकाइयों, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) और इसकी विशिष्ट कोबरा इकाई के सदस्यों सहित लगभग 24,000 सुरक्षा बलों को शामिल किया गया है। यह सहयोगी बल क्षेत्र में उग्रवाद से निपटने के लिए सबसे बड़े प्रयासों में से एक है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।